

गिरी पर्वत ले उतरे

गिरी पर्वत ले..उतरे महामाई मोर उतरे महामाई वो
मोहनी बरन सिरजाये हो माँ...

काकर सिरजे.. रईया हो रतनपुर वो रईया रतनपुर
काकर सिरजे मल हारे हो माँ..
काकर सिरजे नवखंड पिरथी वो नवखंड पिरथी
काकर सिरजे हिंगुलाजे हो माँ..
हो मोरे काकर सिरजे हिंगुलाजे हो माँ

रईया के सिरजे..रईया रतनपुर वो रईया रतनपुर
बेनी के सिरजे मल हारे हो माँ
लंगूर के सिरजे नवखंड पिरथी वो नवखंड पिरथी
माता के सिरजे हिंगुलाजे हो माँ
येहो मोरे माता के सिरजे, हिंगुलाजे हो माँ

कामा पोतावय दाई.. रईया रतनपुर वो रईया रतनपुर
कामा पोतावय हिंगुलाजे हो माँ
चंदन पोतावय दाई.. रईया रतनपुर वो रईया रतनपुर
बंदन पोतावय हिंगुलाजे हो माँ
येहो मोरे बंदन पोतावय,हिंगुलाजे हो माँ

कामा लीपावय दाई.. रईया रतनपुर वो रईया रतनपुर
कामा लीपावय हिंगुलाजे हो माँ
अंगना लीपावय दाई..रईया रतनपुर वो रईया रतनपुर
चौक लीपावय हिंगुलाजे हो माँ
येहो मोर चौक लिपावय, हिंगुलाजे हो माँ

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35989/title/giri-parvat-le-utre>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |